बांदरला में सरकारी जंगल को खोखला करने वालों की फाइलें बंद...

नवभारत न्यूज़

पंधाना। जिले के पंधाना तहसील अंतर्गत ग्राम बांदरला से प्रशासनिक शह और भ्रष्टाचार का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहाँ राजस्व रिकॉर्ड में मध्य प्रदेश शासन के अधीन दर्ज छोटे झाड़ के जंगल यानी खसरा नंबर 205 (रकबा 2.54 हेक्टेयर) की बेशकीमती भूमि को अवैध उत्खनन के जरिए बुरी तरह खोखला किया जा रहा था। जब इस खुले डाके से परेशान होकर ग्रामीण प्रवीण पटेल और अन्य स्थानीय लोगों ने सीधे जिला कलेक्टर से इसकी लिखित शिकायत की, तो खनिज विभाग के अमले ने जमीनी हकीकत पर पर्दा डालते हुए एक ऐसी संदेहास्पद क्लीन चिट तैयार कर दी, जिससे पूरे गांव हतप्रभ रह गया।

सहायक खनिज अधिकारी कार्यालय द्वारा जारी पत्र क्रमांक 1619/खनिज/2022 के अनुसार, खनिज निरीक्षक ने आनन-फानन में मौका मुआयना कर यह रिपोर्ट सौंप दी कि मौके पर उन्हें कोई भी ट्रैक्टर, जेसीबी या अवैध उत्खनन करता हुआ व्यक्ति नहीं मिला। हद तो तब हो गई जब अफसरों ने अपनी रिपोर्ट में यह अजीबोगरीब तर्क दे डाला कि उक्त शासकीय भूमि से केवल ग्राम पंचायत अपने स्वीकृत कार्यों के लिए यदा-कदा मुरुम का उपयोग करती है और यहाँ कोई अवैध बिक्री नहीं हो रही है। इसी मनगढ़ंत थ्योरी को आधार बनाकर खनिज विभाग ने इस गंभीर शिकायत की फाइल को हमेशा के लिए बंद (नस्तीबद्ध) करने की सिफारिश कर दी, जबकि मौका पर पूरे मैदान में करीब 10 से 12 फुट गहरे गड्ढे कर अनियंत्रित मुरूम निकाली दिख रही है। शिकायत कर्ता ने दुबारा इस मसले की संज्ञान में लेने की बात करते हुए तीखा सवाल किया कि अगर मौके पर अवैध खुदाई के गहरे और बड़े गड्ढे गवाही दे रहे हैं, तो विभाग ने यह जांचने की जहमत क्यों नहीं उठाई कि वहाँ से हज़ारों ट्रॉली मुरुम खोदकर कहाँ गायब कर दी गई? पंचायत के काम का हवाला देकर रसूखदारों और खनन माफियाओं को सरकारी संपत्ति लूटने का यह कानूनी लाइसेंस आखिर किस नियम के तहत दिया जा रहा है? दरअसल, बांदरला के इस अवैध उत्खनन के गहरे तार सीधे ग्राम पंचायत बलरामपुर-बांदरला में चल रहे लाखों रुपये के कागजी विकास और निर्माण घोटाले से जुड़ते नजर आ रहे हैं। इस पंचायत में सरपंच, सचिव और उपयंत्री

(सब-इंजीनियर) की त्रिमूर्ति ने नियमों को ताक पर रखकर सरकारी धन की खुली लूट मचा रखी है। इसका सबसे बड़ा प्रमाण बांदरला में ही देखने को मिलता है, जहाँ पक्की नाली व पाइप क्रॉसिंग निर्माण के नाम पर दीपक पटेल और शिवकरण सूरतिया जैसे चहेतों को फर्जी कच्चे बिलों के सहारे चुपचाप भुगतान कर दी गई। चौंकाने वाली बात यह है कि इन बिलों में केवल 20-20 पाइप और मजदूरी दिखाई गई है, जबकि सीमेंट, रेत, ईंट और गिट्टी का कहीं कोई नामोनिशान तक नहीं है। जनता हैरान है कि बिना किसी सामग्री के यह पक्की नाली हवा में कैसे बनकर तैयार हो गई और जिम्मेदार उपयंत्री ने दफ्तर में बैठकर इसका मूल्यांकन कैसे पास कर दिया।

भ्रष्टाचार का यह खेल यहीं खत्म नहीं होता। प्राथमिक शाला बलरामपुर और बांदरला में बाउंड्री वॉल निर्माण के लिए भी भारी-भरकम राशियां कच्चे बिलों के जरिए एक ही दिन में आहरित कर ली गईं, लेकिन 6 साल बीत जाने के बाद भी स्कूल की दीवारें अधूरी पड़ी हैं और मासूम नौनिहालों की सुरक्षा पूरी तरह से रामभरोसे है। इस पूरी क्रोनोलॉजी को देखें तो साफ समझ आता है कि एक तरफ पंचायत के निर्माण कार्यों में फर्जी बिल लगाकर सीमेंट-रेत के नाम पर सरकारी खजाना साफ किया जा रहा है, और दूसरी तरफ उसी निर्माण की आड़ में सरकारी छोटे झाड़ के जंगल से बिना रॉयल्टी चुकाए मुफ्त की अवैध मुरुम खोदकर खपाई जा रही है। इस दोहरे घोटाले और खनिज विभाग की इस संदेहास्पद लीपापोती वाली रिपोर्ट ने ग्रामीणों के सब्र का बांध तोड़ दिया है।

अब बांदरला के ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग कि है की खनिज विभाग की इस फर्जी क्लोजर रिपोर्ट को तत्काल खारिज कर दूध का दूध और पानी का पानी किया जाए। इस मसले पर जनपद के अधिकारियों का पक्ष जानना चाह लेकिन उनका फोन रिसीव न करना भी शंका के घेरे में है।

हरसूद पुलिस ने नष्ट की 79 लाख से अधिक की शराब

नवभारत न्यूज़

खंडवा। जिले में पुराने आबकारी एक्ट के मामलों में जप्त शराब के नष्टीकरण की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में थाना हरसूद पुलिस द्वारा बुधवार को न्यायालय के आदेश के पालन में बड़ी कार्रवाई करते हुए 11,023.8 बल्क लीटर जप्त अंग्रेजी शराब का नष्टीकरण किया गया।

नष्ट की गई शराब की अनुमानित कीमत 79 लाख 52 हजार 160 रुपए बताई गई है। पुलिस अधीक्षक अगम जैन के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेंद्र तारनेकर के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई संपन्न हुई। पुलिस के अनुसार थाना हरसूद के अपराध क्रमांक 193/2014 में धारा 420, 467, 468, 471, 120-बी, 34 भादवि एवं धारा 34(2) मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत जप्त की गई अंग्रेजी शराब कुल 1130 पेटियों में रखी हुई थी।

माननीय सत्र न्यायालय हरसूद के आदेश तथा जिला आबकारी अधिकारी

खंडवा के कार्यालय आदेश के पालन में गठित समिति की मौजूदगी में शराब नष्टीकरण की प्रक्रिया पूरी की गई। समिति में डिप्टी कलेक्टर दिशा भगोरे, एसडीओपी हरसूद लोकेन्द्र सिंह ठाकुर, एडीओ अजय पाल, थाना प्रभारी किल्लौद विजय वर्मा, एडीओ मीणा तथा थाना प्रभारी हरसूद निरीक्षक राजकुमार राठौर शामिल रहे। कार्रवाई थाना हरसूद परिसर के पीछे खुले मैदान में की गई, जहां जप्त शराब को नियमानुसार नष्ट किया गया।

राणा सज्जन सिंह चौहान का निधन, अंतिम यात्रा आज

खंडवा। सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने वाले राणा सज्जन सिंह जी चौहान (अन्नू दादा), निवासी राणाजी पीपलौद, का निधन हो गया। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है।परिजनों द्वारा जारी श्रद्धांजलि संदेश में बताया गया कि राणा सज्जन सिंह चौहान समाजसेवा, धार्मिक आयोजनों एवं जनहित कार्यों में सदैव अग्रणी रहे। उनके सहज व्यवहार और नेतृत्व क्षमता के कारण वे क्षेत्र में विशेष पहचान रखते थे। उनकी अंतिम यात्रा 22 मई शुक्रवार को प्रात: 8.30 बजे निज निवास से ग्राम राणाजी पीपलौद आश्रम के लिए रवाना होगी, जहां अंतिम संस्कार किया जाएगा।

डमी एडमिशन-कोचिंग संस्कृति पर लगे रोक

सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

नवभारत न्यूज़

खंडवा। मध्य प्रदेश में पैर पसार चुकी डमी एडमिशन की आत्मघाती परंपरा और व्यावसायिक कोचिंग संस्कृति के खिलाफ अब बाल अधिकार संगठनों ने सीधे सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। बाल कल्याण समिति अध्यक्ष प्रवीण शर्मा ने प्रदेश की स्कूली शिक्षा व्यवस्था के खोखलेपन पर गहरी चिंता जताते हुए सीधे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह और राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ निवेदिता शर्मा को पत्र लिखा है। पत्र में मांग की गई है कि विद्यार्थियों के भविष्य और उनके मानसिक स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले इस कागजी स्कूलिंग के खेल पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया जाए।शर्मा ने जमीनी हकीकत उजागर करते हुए कहा कि वर्तमान में 10वीं कक्षा उत्तीर्ण करते ही छात्र नियमित स्कूली शिक्षा से कट रहे हैं।

रसूखदार स्कूलों और बड़े कोचिंग संस्थानों की मिलीभगत से केवल नीट और

जेईई की तैयारी के नाम पर %डमी एडमिशन% का फर्जी खेल धड़ल्ले से चल रहा है। यह व्यवस्था न केवल स्कूली शिक्षा की मूल भावना का गला घोंट रही है, बल्कि बच्चों को एक बंद कमरे में धकेल कर उनके सामाजिक, नैतिक और मानसिक विकास को पूरी तरह अवरुद्ध कर रही है। इतनी कम उम्र में कोचिंग सेंटरों द्वारा पैदा की जा रही अंधी प्रतिस्पर्धा और चौबीसों घंटे पढ़ाई के अमानवीय दबाव के कारण नौनिहालों में तनाव, अवसाद, गंभीर चिंता और मानसिक विकार डराने वाली रफ्तार से बढ़ रहे हैं।

अपने पत्र में उन्होंने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का हवाला देते हुए याद दिलाया कि जब सीबीएसई डमी एडमिशन को लेकर देश भर में सख्त कदम उठा सकता है, तो मध्य प्रदेश का शिक्षा विभाग इस गंभीर लापरवाही पर आंखें मूंदकर क्यों बैठा है?

खंडवा सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष ने शासन से मांग की है कि 11वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों की स्कूलों में नियमित उपस्थिति अनिवार्य की जाए, नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले विद्यालयों और मोटी फीस वसूलने वाले कोचिंग संस्थानों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

अब समय आ गया है जब शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग और बाल संरक्षण संस्थाओं को एक मंच पर आकर बच्चों के हित में एक समग्र नीति बनानी होगी।

-प्रवीण शर्मा अध्यक्ष, सीडब्लूसी

जर्जर मूंदी-खंडवा रोड को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

नवभारत न्यूज़

मूंदी। मांधाता विधानसभा क्षेत्र की मूंदी-खंडवा 32 किलोमीटर लंबी जर्जर सड़क और किसानों की समस्याओं को लेकर गुरुवार को मुंदी बस स्टैंड पर कांग्रेस एवं किसान कांग्रेस द्वारा विशाल धरना-प्रदर्शन किया गया। किसान कांग्रेस प्रदेश महामंत्री गजेंद्र सिंह सोलंकी के नेतृत्व में आयोजित इस आंदोलन में बड़ी संख्या में किसान, कांग्रेस कार्यकर्ता और आमजन शामिल हुए। प्रदर्शन के बाद राज्यपाल के नाम तहसीलदार वंदना चौहान को ज्ञापन सौंपा गया।

धरने को संबोधित करते हुए गजेंद्र सिंह सोलंकी ने भाजपा सरकार पर क्षेत्र की उपेक्षा का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों से मुंदी-खंडवा मार्ग बदहाल स्थिति में है। सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्ढों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं और कई लोगों की जान जा चुकी है। इसके बावजूद सरकार और

जनप्रतिनिधियों द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में दो विधायक और एक सांसद होने के बावजूद सड़क निर्माण नहीं होना सरकार की विफलता को दर्शाता है।सोलंकी ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि आगामी तीन महीनों में सड़क निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ तो कांग्रेस पार्टी उग्र आंदोलन करेगी। मुख्यमंत्री के क्षेत्र दौरे पर काले झंडे दिखाकर विरोध दर्ज कराया जाएगा। उन्होंने गेहूं खरीदी केंद्रों पर अनियमितताओं का मुद्दा उठाते हुए कहा कि किसानों से तय मात्रा से अधिक गेहूं तुलवाया जा रहा है, जिसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष उत्तम पाल सिंह ने कहा कि सड़क निर्माण नहीं होने पर मुंदी से खंडवा तक पैदल मार्च निकालकर कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया जाएगा। कार्यक्रम में कई कांग्रेस नेता, किसान प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

सिद्धवरकूट घाट पर चला स्वच्छता अभियान

नवभारत न्यूज़

ओंकारेश्वर। एनएचडीसी लिमिटेड के ओंकारेश्वर पावर स्टेशन में 16 मई से 31 मई तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को सिद्धवरकूट घाट पर विशेष स्वच्छता अभियान एवं श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान का उद्देश्य घाटों एवं आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण अनुकूल बनाना रहा।

कार्यक्रम में परियोजना प्रमुख डीके द्विवेदी के नेतृत्व में अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्थानीय नागरिकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। द्विवेदी ने स्वयं घाट पर सफाई कर स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों और श्रद्धालुओं से अपील की कि घाटों पर पॉलीथीन, पुराने कपड़े और अन्य कचरा न फैलाएं तथा स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें। अभियान के दौरान घाट क्षेत्र

से प्लास्टिक, कपड़े, पूजा सामग्री सहित विभिन्न प्रकार के अपशिष्ट एकत्र कर उनका उचित निपटान किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल सफाई करना ही नहीं, बल्कि लोगों में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी रहा।इस पहल की स्थानीय लोगों और पावर स्टेशन के कर्मचारियों ने सराहना की तथा भविष्य में भी ऐसे अभियानों में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया।इस अवसर पर महाप्रबंधक (ओएंडएम) विनोद कुमार सिंह, महाप्रबंधक (सिविल) संजय कुमार, विभागाध्यक्ष एमएस करूणाकर, मनोज नारायण राव घुगे, राजीव शर्मा, राजेश कुमार, दिलीप कुर्रे, नवाब खान, भूपेश बरतूनिया, अनुराग मौर्य, निर्मल कुमार यादव सहित पावर स्टेशन के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी, ठेका कर्मी, ग्रामीण एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सांसद और विधायक ने ई-रिक्शा से किया सफर

खंडवा। जनप्रतिनिधियों की सादगी की एक प्रेरणादायक तस्वीर इन दिनों शहर में चर्चा का विषय बनी हुई है। लगातार दो दिनों से क्षेत्रीय दौरों और बैठकों के दौरान जिला खंडवा के सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल एवं विधायक कंचन तनवे ने आलीशान वाहनों के बजाय ई-रिक्शा और ऑटो से सफर कर आमजन से जुड़ाव का संदेश दिया।कलेक्टोरेट में आयोजित बैठक में पहुंचने के लिए दोनों जनप्रतिनिधियों ने ई-रिक्शा का उपयोग किया। वहीं एक दिन पूर्व विधायक कंचन तनवे को सहयोगियों के साथ ऑटो में शहर भ्रमण करते देखा गया। जनप्रतिनिधियों की इस पहल को आम नागरिकों ने सकारात्मक रूप से लिया और इसे सादगी, पर्यावरण संरक्षण तथा श्रमिक वर्ग के प्रति संवेदनशीलता का प्रतीक बताया। इस पहल पर विधायक कंचन तनवे ने कहा कि इसके पीछे दो प्रमुख उद्देश्य है पहला, ई-रिक्शा एवं ऑटो चालकों को रोजगार और आर्थिक संबल प्रदान करना, ताकि उनकी रोज़ी-रोटी प्रभावित न हो। दूसरा, पर्यावरण-अनुकूल यातायात को बढ़ावा देकर स्वच्छ और हरित परिवहन के प्रति जागरूकता बढ़ाना।

एक नजर

शहर और आसपास के ब्लैक स्पॉट्स का किया निरीक्षण

दुर्घटनाओं पर लगाम लगाने रात में सड़कों पर उतरी पुलिस

नवभारत न्यूज़

खंडवा। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और आमजन की सुरक्षा को लेकर खंडवा पुलिस लगातार सक्रिय नजर आ रही है। इसी क्रम में बुधवार रात थाना छैगाँवमाखन क्षेत्र में दुर्घटना संभावित स्थानों और ब्लैक स्पॉट्स का विशेष निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान थाना प्रभारी छैगाँवमाखन प्रशिक्षु आईपीएस अमित कुमार, यातायात उप पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार राय तथा पुलिस स्टाफ ने क्षेत्र के विभिन्न संवेदनशील स्थानों का जायजा लिया।

टीम ने तौरणी फाटा, रोशियाँ फाटा, सी.वी. रमन कॉलेज अंडर ब्रिज, डोंड़वाड़ा क्षेत्र, आशीर्वाद ढाबा सहित अन्य दुर्घटना

संभावित स्थानों का बारीकी से निरीक्षण किया।अधिकारियों ने सड़क की स्थिति, प्रकाश व्यवस्था, संकेतक बोर्ड, गति नियंत्रण संबंधी व्यवस्थाएं, मोड़ों की दृश्यता तथा रात्रि के दौरान यातायात संचालन की परिस्थितियों की समीक्षा की। साथ ही सड़क किनारे अतिक्रमण और अव्यवस्थित पार्किंग जैसी समस्याओं का भी परीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ऐसे स्थान चिन्हित किए गए जहां दुर्घटनाओं की संभावना अधिक रहती है। संबंधित विभागों के समन्वय से वहां आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही किए जाने के निर्देश भी दिए गए।पुलिस अधिकारियों ने वाहन चालकों को रात्रि में सावधानीपूर्वक वाहन चलाने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य उपयोग करने तथा शराब पीकर वाहन नहीं चलाने की समझाइश दी। भारी वाहनों और यात्री वाहनों की आवाजाही वाले मार्गों पर विशेष निगरानी रखते हुए दुर्घटना नियंत्रण के बिंदुओं पर भी चर्चा की गई।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को दी श्रद्धांजलि

किल्लौद। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर बुधवार को जनपद पंचायत किल्लौद ब्लॉक में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मांधाता विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक नारायण पटेल सहित कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।इस अवसर पर वक्ताओं ने राजीव गांधी के देश के विकास, सूचना तकनीक और युवा सशक्तिकरण में दिए योगदान को याद किया। कार्यक्रम के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किल्लौद अस्पताल पहुंचकर मरीजों को फल वितरित किए और उनके स्वास्थ्य की कुशलक्षेम पूछी।कार्यक्रम में कांग्रेस नेता श्यामलाल राठौर, रूप सिंह राठौर, शेर सिंह तोमर, शैलेंद्र तोमर, गिरवर राजपूत, लक्ष्मी नारायण, कुंदन राठौर सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पंकज कुशवाहा भारत गौरव और डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित

खंडवा। कृषि व्यवसाय क्षेत्र और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से गहरे जुड़ाव रखने वाले खंडवा के पंकज कुशवाहा को दिल्ली में आयोजित समारोह में भारत गौरव सम्मान और बिजनेस नेटवर्किंग लीडरशिप एंड सोशल वर्क में डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया है। समाजसेवी सुनील जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि पंकज कुशवाहा को यह सम्मान उनके द्वारा किए गए सफल व्यवसाय, उत्कृष्ट कार्यों एवं सामाजिक गतिविधियों के लिए दिया गया है। यह पुरस्कार अमेरिका की लुसियाना रिसर्च यूनिवर्सिटी एवं भारतीय अवार्ड काउंसिल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में प्रदान किया गया। दिल्ली में आयोजित इस समारोह में शैक्षणिक, व्यावसायिक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े देश-विदेश के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।पंकज कुशवाहा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह प्रतिष्ठित सम्मान मिलने पर उनके परिवार, मित्रों और समाजजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।